बिहार विधान सभा वादवृत ।

मंगलवार, तिथि २५ सितम्बर, १९५१ ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के राज्यपाल भवन में मंगलवार, तिथि २५ सितम्बर, १९५१ को अपराह्न १ १/२ बजे माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT-NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

बांका में पुलिस का अत्याचार।

१९। ठाकुर नरसिंह प्रसाद सिंह—क्या माननीय मुख्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:—

(क) क्या यह बात सही है कि बांका में बांका मोडेल थाना के कुल अधिकारियों ने गत ९ सितम्बर, १९५१, के ७ बजे संध्या बांका सकोणी चौक पर बिना किसी से कुछ पूछे अचानक पुलिस ट्रक पर जाकर लाठी चार्ज किया;

(ख) क्या सरकार आम जनता, दूकानदार, मोसाफिरों पर अचानक लाठी चार्ज का कारण बता सकती है और क्या उस तरीके को गैरवाजिव नहीं समझती;

(ग) क्या सरकार उस लाठी चार्ज घायलों की संख्या बता सकती है तथा उसमें कितनी स्त्रियां और कितने पुरुष घायल हुए;

(घ) क्या यह बात सही है कि कुष्ट रोगी और बूढ़ी औरत भी लाठी से घायल हुई;

(ङ) यदि उपरोक्त खंडों का उत्तर 'हां' है तो कितने और कौन-कौन घायल हुए?

माननीय श्री कृष्णवल्लभ सहाय—(क) और (ख) एस० डी० ओ०, बांका के कोर्ट में १५ सितम्बर, १९५१ को बादो साह, पांचू गोप, भोला मंडल और पंचू गोप ने कम्प्लेंट फाइल किया जिसमें यह शिकायत की कि ९ सितम्बर, १९५१ के ७ बजे शाम को बांका मडेल पुलिस स्टेशन से कुछ अफसरों और कुछ कांस्टिबलों ने उन्हें पीटा है जो बाजार में एक पुलिस ट्रक पर लाठी के साथ आये हुए थे। उन्होंने यह शिकायत की कि दूसरों पर भी मार लगी। इस कम्प्लेंट पर जूडिशियल इनक्वायरी हो रही है, इसलिए इस संबंध में दूसरे डिटेल्स नही दिये जा सकते हैं चूंकि यह मामला सबजूडिस है। एक मनमोहन दास ने १० सितम्बर, १९५१ को एस० डी० ओ० के सामने दर्खास्त दी थी जिसमें यह शिकायत की थी कि कुछ अफसरों और कांस्टिबलों ने उन्हें पीटा था और पब्लिक के दूसरे मेम्बरों को भी बेगैर समझे-बूझे ९ सितम्बर की शाम को और इस दर्खास्त पर भी जूडिशियल इनक्वायरी हो रही है।

POST OF HINDI AND URDU TRANSLATOR.

†*316. **Shri KALIKA PRASAD SINGH**: Will the Hon'ble the Chief Minister be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that the post of the Hindi and Urdu Translator to Government is gazetted;

(*b*) whether it is a fact that the Translator to Government is retiring in October, 1951;

(*c*) whether it is a fact that all vacancies of gazetted posts are advertised and filled up by proper selection through the Public Service Commission;

(*d*) if the answers to clauses (*a*), (*b*) and (*c*) be in affirmative whether Government propose to advertise the post of Hindi and Urdu Translator to Government and allow all qualified officers of the Translation Department to sit at the combined competitive examination, if not, why?

माननीय श्री कृष्णवल्लभ सहाय—(ए) इसका उत्तर 'हां' है।

(बी) उत्तर 'हां' है।

(सी) गजेटेड रैंक में जो वैकेन्सी होती है, ऐसी वैकेन्सी को छोड़ कर जिसको प्रोमोशन से भरना होता है, उसकी नोटिस पब्लिक सर्विस कमिशन अखबार में छपवा देती है। प्रोमोशन के मौके पर पब्लिक सर्विस कमिशन से कन्सल्ट किया जाता है। मगर प्रोमोशन किस अफसर को दिया जाय इसके लिये ऐडवरटाइजमेंट नहीं होता है।

(घ) गवर्नमेंट ने यह निश्चय किया है कि इस पोस्ट को प्रोमोशन से भरा जाय।

Shri AWADH BEHARI JHA: Is Government contemplating to hold any competitive examination for this?

The Hon'ble Shri KRISHNA BALLABH SAHAY: The hon'ble member did not follow the answer given by me. I said that this post is proposed to be filled by promotion.

Shri AWADH BEHARI JHA: Is there any possibility of a competitive examination?

The Hon'ble Shri KRISHNA BALLABH SAHAY: When promotion is made no competitive examination is held.

---

†प्रश्नकर्त्ता की अनुपस्थिति में श्री देवकी नन्दन प्रसाद के अनुरोध से उत्तर दिया गया।